DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
TUESDAY, MAY 16, 2023

ERS----------DATED----------

Legalising master plan deviations will cause chaos: RWAs

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: A group of RWAs has opposed the legalising of past deviations in the Master Plan for Delhi - 2041, arguing that it is against the DDA Act's aims and objectives.

The group, 'Save Our City', has written to the Union ministry of housing affairs, stating that the mixed land use, transit-oriented development and sustainable development will make things chaotic and congested in Delhi.

"We seek your support in addressing our concerns regarding the master plan - 2041, especially with respect to other activities being allowed in residential areas and green buffer zones that have been under challenge in the Supreme Court since 2005. We seek a stay on legalising and repackaging of past deviations on total violation of DDA Act's aims and objectives," the group said in the letter.

Save Our City convener Rajiv Kakria said: "The concept of land use distribution, which is the main object of having a master plan is now being flouted and packaged in fancy terms like sustainable development, mixed land use, transit-oriented development etc. Section 11(A) has already been thrown into the wind, which will further increase population density manifold, thus adversely impacting the infrastructure and environment which, as it is, has collapsed as no study has been conducted under Section-7 of the Act."

Residents said the MPD-2021 had been amended over 275 times to accommodate more misuse of residential areas, despite countless RWA protests. "The mixed land use was permitted initially to accommodate essential activities but eventually they kept on allowing everything on mixed land use roads such as guest houses, and eateries. When there is no space and roads are barely 60 feet wide, how will all these activities continue smoothly?" they asked.

According to the group, DDA had approved MPD-2041 without addressing the concerns of the citizens or adhering to the SC order in February 2006. It claimed to have raised objections prior to the approval of the plan. "If in the master plan, the land use is residential, the MCD cannot sanction the plan for any purpose other than residential. Even in the case of the green development area policy, allowing any development activities is not fair," said a resident.

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली ।
मंगलवार, 16 मई 2023

त। गांधी नगर। ग्रीन पार्क। ⇨⇨

मायापुरी और नांगल गांव के पास बने पार्क का बुरा है हाल

रीडिवेलपमेंट तो हुआ नहीं, वॉकवे को और तोड़ दिया

■ नगर संवाददाता, नई दिल्ली

मायापुरी और नांगल गांव के समीप बनाया गया डीडीए के साल्वेज पार्क की हालत इस कदर खराब हो गई है कि वहां सैर करना लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। पिछले साल जुलाई में इस पार्क के रीडिवेलपमेंट की शुरुआत की गई थी। लेकिन अब तक ये काम पूरा नहीं हुआ है। उल्टा हर जगह वॉकवे तोड़े जा रहे हैं, जिससे रोजाना पार्क में आने वालों के लिए सैर करना मुश्किल हो गया है।

लोगों का सैर करना मुश्किल हो गया है

पिछले साल 18 जुलाई को डीडीए ने साल्वेज पार्क में विकास कार्य की शुरुआत की। इसके तहत पुराने वॉकवे के साथ ही एक और वॉकवे बनाने का प्रस्ताव था।

साल्वेज पार्क

पिछले साल शुरू हुआ रीडिवेलपमेंट का काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है

इसके अलावा रोज गार्डन भी बनाया जाना है। लगभग 22 एकड़ में फैले इस पार्क का काम शुरू होने के बाद अब तक पार्क का एक भी हिस्सा ऐसा नहीं है कि जहां काम को पूरा किया गया हो। उधर पार्क के बाकी हिस्सों में भी वॉकवे को तोड़ा जा रहा है, जिसकी वजह से लोगों को पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है।

दिलचस्प ये है कि पार्क के कुछ हिस्सों में कई महीनों से वॉकवे तोड़ा गया है, वहां भी अभी वॉकवे को नए सिरे से बनाने का काम शुरू नहीं किया गया है। जिस पार्क में सबसे अधिक हरियाली थी, वहां बदरपुर के ढेर लगा दिए गए हैं और खुदाई के बाद मिट्टी और पत्थर भी बिखरे पड़े हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कायदे से साल्वेज पार्क के हिस्से में एक-एक पार्क के आसपास वॉकवे बनाकर दूसरी जगह तोड़फोड़ की जा सकती है। सभी जगह तोड़ा तो जा रहा है लेकिन नया वॉकवे एक भी हिस्से में पूरा नहीं किया गया।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान
नई दिल्ली
मंगलवार
16 मई 2023

कचरे से नरक बने नाले बारिश में बदहाली बढ़ाएंगे

सुनिए प्रशासक साहब
#जलभराव_के_विरुद्ध 01

राजधानी दिल्ली में जलभराव बड़ी समस्याओं में से एक है। इससे निपटने के लिए हर साल करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन बरसात में सभी इंतजाम पानी में बहते नजर आते हैं। हाल ही में हुई बेमौसम बारिश में भी कई जगह पानी भर गया था। ऐसे में मानसून से पहले चिंता बढ़ गई है। दिल्ली में दस विभागों के पास करीब तीन हजार छोटे-बड़े नालों की जिम्मेदारी है। इनकी सफाई नहीं होने के कारण बारिश में कई जगह पर बाढ़ जैसे हालत पैदा हो जाते हैं। हिन्दुस्तान टीम की रिपोर्ट।

एजेंसियों के बीच समन्वय नहीं

जलभराव के पीछे एक बड़ी वजह तमाम एजेंसियों के बीच समन्वय नहीं होना भी है। वर्षों से ढंके नालों में सिल्ट के साथ कचरा भरा हुआ है। खासकर, प्लास्टिक कचरा नालों में पानी का प्रवाह रोक रहा है, क्योंकि दिल्ली में इसका व्यापक निस्तारण नहीं होता है।

विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र में प्लास्टिक कचरे से होने वाले प्रदूषण के विशेषज्ञ सिद्धार्थ सिंह कहते हैं कि नालों में आने वाले प्लास्टिक कचरे की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि नालों से प्लास्टिक कचरे को अलग करने के लिए धातु के जाल लगाए जाने चाहिए, जिससे प्लास्टिक कचरे को बीच में रोका जा सके। कुछ जगहों पर जाल लगे भी हैं, लेकिन नियमित सफाई नहीं होने से समस्या कम नहीं हो रही है।

योजनाएं बनती हैं, काम नहीं होता : दिल्ली नगर निगम में पूर्व प्रतिनिधि कोर्ट कमिश्नर अशोक मित्तल का कहना है कि बड़े नालों की सफाई के लिए मानसून से पहले प्रत्येक वर्ष योजनाएं बनाई जाती हैं। इनमें एलजी, सीएम से लेकर निगम, डीडीए, पीडब्ल्यूडी, बाढ़ एवं सिंचाई विभाग, सहित सभी एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी जलभराव ना हो इसके लिए बार-बार योजनाओं को लेकर बैठक करते हैं, लेकिन हर साल समस्या जस की तस बनी रहती है।

कितना काम हुआ

डेम्स विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नालों से गाद निकालने का कार्य जारी है। निगम के पास करीब 683 नाले हैं, जिनमें बड़े नाले शामिल हैं। गाद निकालने में 40 सक्शन मशीनें लगी हैं। कई नालों को साफ किया जा चुका है। निगम के सभी 12 जोन में फीकल स्लज का प्रबंधन किया जा रहा है, ताकि कचरा और मल सीवर जाम ना सकें। तीन वार्डों में संयंत्र बनकर तैयार हो गए हैं और 20 स्थानों पर 33 करोड़ रुपये की से संयंत्र बनाए जाएंगे।

सफाई अभी अधूरी

दिल्ली में निगम, डीडीए, पीडब्ल्यूडी, बाढ़ एवं सिंचाई, डीएसआईडीसी आदि एजेंसियों के करीब 2846 नाले हैं। सबसे अधिक 1375 नाले पीडब्ल्यूडी के हैं। सिंचाई विभाग के कुल 57 नाले हैं, लेकिन इनमें से लगभग 2000 नालों की सफाई का काम अधूरा है। कुछ नालों की सफाई का काम चल रहा है।

दिक्कत क्यों आ रही

एजेंसियों के बीच तालमेल नहीं होने के कारण नालों की सफाई का काम अधूरा है। सभी एजेंसियां साथ काम करें तो मानसून से पहले सफाई हो सकती है, परंतु इसके लिए बड़े स्तर पर प्रयास करने होंगे।

बुरा हाल पूर्वी दिल्ली के गौतमपुरी इलाके में कॉलोनियों के बीच से गुजरता नाला सोमवार को पूरी तरह कचरे से पटा हुआ नजर आया। यह नाला करीब पांच किलोमीटर दायरे में फैला हुआ है। बारिश के वक्त यह खतरा साबित हो सकता है। • सलमान अली

विशेषज्ञ की राय

प्रो. एके गोसाई, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व प्रमुख, आईआईटी (दिल्ली)

जलनिकासी का मास्टर प्लान सही से लागू हो

दिल्ली सरकार को 2017 में जलनिकासी मास्टर प्लान सौंपा था। हाईकोर्ट के निर्देश पर बना यह मास्टर प्लान आंकड़ों के विश्लेषण के बाद तैयार किया गया था। इसे लेकर 100 से अधिक इंजीनियरों का आईआईटी दिल्ली में प्रशिक्षण भी हुआ। हालांकि, इसका कोई समाधान नहीं निकल पाया। इसके पीछे इच्छाशक्ति की कमी है। यहां की एजेंसियों के बीच तालमेल नहीं है। कई जगह पर गलत ढाल बनाए गए हैं। इससे पानी का निकास नहीं हो पाता। वर्षों से नाले की गाद नहीं निकाली गई है। जलनिकासी का मास्टर प्लान सही से लागू हो तो इस समस्या का समाधान होगा।

विशेषज्ञों के सुझाव

- कूड़ा करकट व्यवस्थित जगह रखा जाए, ताकि नाले जाम न हों
- घरों और सड़कों के निर्माण के लिए नालों पर अतिक्रमण किया गया, जिन्हें तत्काल रोकना चाहिए
- संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही तय करना जरूरी है
- काम सही न होने पर काम कराने वाली एजेंसियों के ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाए

लोग बोले

करीब 20 साल से शाहदरा के एम व एन ब्लॉक सहित अन्य स्थानों पर बारिश में जलभराव होता है। पानी घरों में घुस जाता है, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। **संजय शर्मा**, सह-सचिव, नवीन शाहदरा आरडब्ल्यूए

मैं जीटीबी नगर में रहता हूं। यहां नालों की सफाई ठीक से न होने के कारण हल्की सी बारिश होने पर भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नालियां जाम होने का सबसे बड़ा कारण प्लास्टिक और गाद है। – आशीष, स्थानीय निवासी

इन प्रमुख स्थानों समेत 50 से ज्यादा जगहों पर जलभराव होता है

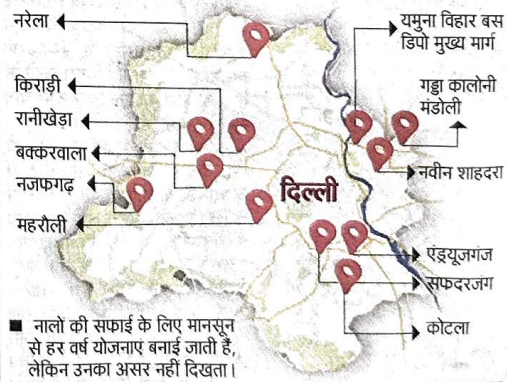

■ नालों की सफाई के लिए मानसून से हर वर्ष योजनाएं बनाई जाती हैं, लेकिन उनका असर नहीं दिखता।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS अमर उजाला नई दिल्ली | मंगलवार, 16 मई 2023

महिलाओं को मिल सकता है पिंक पार्क का तोहफा

शौचालय, जिम, सीसीटीवी कैमरे, कुर्सियां और दीवारों पर मन को सुकून देने वाले भित्ति चित्र बने होंगे, डिप्टी मेयर ने सीएम के सामने रखा था प्रस्ताव

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। महिलाओं को हर एक वार्ड में पिंक पार्क का तोहफा मिल सकता है। यहां उन्हें सुरक्षित व आरामदायक तरीके से व्यायाम करने की जगह मिलेगी। इन पार्कों में शौचालय, जिम, सीसीटीवी कैमरे, कुर्सियां और दीवारों पर मन को सुकून देने वाले भित्ति चित्र बने होंगे।

डिप्टी मेयर आले इकबाल ने दिल्ली के सभी 250 वार्डों में महिलाओं के लिए इस तरह के पार्क बनाने का प्रस्ताव सीएम केजरीवाल के सामने रखा था। जानकारों के मुताबिक, प्रस्ताव सीएम को पसंद आया है। इसके बाद उन्होंने निगम के उद्यान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने ये प्रस्ताव रखा है और वार्डों में इसके लिए जगह तलाश करने के लिए भी कहा है। निगम के उद्यान विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, डिप्टी मेयर ने महिला पार्क के लिए सुझाव दिया है, यदि इस पर निगम के सभी पार्षदों की सहमति बनी तो इस पर काम शुरू किया जाएगा।

दिल्ली के सभी 250 वार्डों में ऐसे पार्कों के लिए जगह तलाशने के लिए कहा गया

निगम के पास दिल्ली में 15229 पार्क: निगम के पास पूरी दिल्ली में मौजूदा समय में 15229 पार्क हैं। डीडीए से भी निगम ने 184 पार्क लिए हैं। इनमें से 1865 पार्कों में ओपन जिम लगाए गए हैं। इनमें सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए सुकून से बैठने, बच्चों के लिए खेलने और जिम करने की जगह है। कई पार्कों को विकसित किया जा रहा है। निगम ने पहले वेस्ट टू आर्ट शैली में सराय काले खा में वेस्ट टू वंडर पार्क बनाया, लोगों को ये पार्क पसंद आया। इसके बाद निगम ने पंजाबी बाग में भारत दर्शन पार्क, द्वारका में बच्चों का एडवेंचर पार्क और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में ऐसा ही एक पार्क बनाया है। पंजाबी बाग भारत दर्शन पार्क के फेज-2 का निर्माण भी चल रहा है। आईटीओ पर देश के स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित एक पार्क भी बन रहा है।

केवल महिलाओं के लिए पार्क की अवधारणा नई

दिल्ली में केवल महिलाओं के लिए पिंक पार्क की अवधारणा नई है। दरियागंज में एक ऐतिहासिक परदा बाग पार्क है। डिप्टी मेयर आले इकबाल ने कहा कि माता सुंदरी रोड पर दो साल पहले महिलाओं के लिए एक पिंक पार्क बनाया गया था। इस पार्क में महिलाओं के साथ 10 साल की उम्र तक के बच्चे भी जा सकते हैं। आने वाले दिनों में यही मॉडल अन्य वार्डों में भी अपनाया जाएगा। इसके लिए हार्टिकल्चर विभाग के अधिकारियों से बात करके प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इसके लिए दिल्ली के सभी 250 वार्ड पार्षद मिलकर काम करेंगे।